Epitome Journals
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN : 2395-6968 | Impact Factor = 3.656

राजभाषा हिंदी के समक्ष चुनौतियाँ

प्रा. राजेंद्र इंगोले
पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग
स.गा.म. कॉलेज, कराड

Abstract :
आज आजादी के 67 साल बाद भी संपूर्ण भारत वर्ष में सरकारी कामकाज के लिए हिंदी को राजभाषा के रुप में पूरी तरह से अपनाया नहीं गया। यह बात निश्चित रुपसे सन 2020 तक महासत्ताक राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर चलनेवाले राष्ट्र के लिए उचित नहीं है। महासत्ताक राष्ट्र का सपना तो बहुत सुंदर है। पर इस सपने को साकार करने के लिए कोई विशेष महत्वपूर्ण कदम उठाए नहीं जा रहे है। देश के संविधान में हिंदी को राजभाषा का पद तो मिला, पर आजतक वह यह पद पाने के बावजुद भी वह उपेक्षित ही रही । देश की बहुसंख्याक जनताद्वारा वह बोली जाती है, समझी जाती है, दैनिक व्यवहार में उसका उपयोग किया जाता है। इसके वावजुद भी राजभाषा के रुपमें हिंदी आज भी संघर्ष कर रही है।

Keywords : आजादी, हिंदी, राजभाषा, सन 2020, संघर्ष

Dr. Pramod Ambadasrao Pawar, Editor-in-Chief ©EIJMR, All rights reserved.